

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

20 अंक

1. मीरां वृहत्त पदावली भाग प्रथम

सम्पादक : हरिनारायण पुरोहित

प्रकाशक : राजस्थानी प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान,
जोधपुर

इकाई – द्वितीय

20 अंक

2. गोरा बादल चरित चउपई

सम्पादक : फतहसिंह

प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान,
जोधपुर

इकाई – तृतीय

20 अंक

3. द्रोपदी विनय (रामनाथ कविया कृत)

सम्पादक : कन्हैयालाल सहल

प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मंडल, कोलकत्ता।

इकाई चतुर्थ

20 अंक

4. उक्त तीनों पाठ्य पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

5. छंद

दूहा (भेद, लक्षण उदाहरण सहित)

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी जिनमें इस प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा –

खण्ड 'अ'

इसमें दस वस्तुनिष्ठ लघुतरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा ये दस प्रश्न विकल्प रहित होंगे। प्रत्येक प्रश्न का लघुतर लगभग 20 शब्दों में होगा।

(अंक 10)

खण्ड 'ब'

इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दिया जा सकता है।

(अंक 50)

खण्ड 'स'

इस भाग में चार विवेचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंकों का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं।

(अंक 40)

टिप्पणी : प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पुस्तक, विषयवस्तु काव्यपक्ष इत्यादि पर पूछे जा सकते हैं और दो व्याख्याएँ 10-10 अंकों की पूछी जा सकती हैं।